ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-६१
दिनांक-मंगलवार,१६ नवम्बर,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.४ एवं १६.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १६.३ एवं दोपहर में २८.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२०-२४ नवम्बर,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २०-२४ नवम्बर,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २७ से २६ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १३ से १५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त करें। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० x २० से०मी० रखें।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई प्राथमिकता से करें। खेत की तैयारी के समय १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई हेतु *पी०बी०डब्लू०-३४३, पी०बी०डब्लू०-४४३, सी०बी०डब्लू०-३८, डी०बी०डब्लू०-३६, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२८२४, के०-६१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८* किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो,बुआई पूर्व बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता से करें। *कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू- २ तथा राजेन्द्र आलू-३* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित किस्में है। बीज दर २०-२५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर २ से ३ स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फास्फोरस एवं १०० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करे।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की तैयारी के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म *पूसा-२५६, के०पी०जी०-५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२* अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर ७५ से ८० किलोग्राम एवं बड़े दानों के लिए १०० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ३० x १० से०मी० रखें।
- मसुर के मल्लिका(के०-७५), अरुण (पी०एल० ७७-१२), बी०आर०-२५ के०एल०एस०- २१८, एच०यू०एल०-५७, पी०एल०-५ एवं डब्लू०बी०एल० ७७ किस्मो की बुआई सम्पन्न करने का प्रयास करें। बुआई के २-३ दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फुंदनाशक दवा का १.० ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस २० ई.सी. का ८ मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बैगन, टमाटर एवं मिर्च की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें।
- कजरा (कटुआ) पिल्लू से मक्का, मटर, मसूर एवं राजमा की फसलों की निगरानी करें। अधिक नुकसान होने पर क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें। पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमानः २६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.८ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.२ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी